



SSC

← →

DELHI POLICE MTS

Multi-Tasking Staff (Civilian)

भाग – 2

गणित एवं तार्किक योग्यता



DELHI POLICE MTS

S.N.	Content	P.N.
	गणित	
1.	प्रतिशत्ता	1
2.	लाभ – हानि	5
3.	औसत	10
4.	संख्या पद्धति	14
5.	सरलीकरण	21
6.	लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक	25
7.	अनुपात तथा समानुपात	28
8.	समय और कार्य	32
9.	पाइप और टंकी	35
10.	चाल, समय और दूरी	38
11.	नाव और धारा	42
12.	साधारण ब्याज	44
13.	चक्रवृद्धि ब्याज	47
14.	बीजगणित	50
15.	क्षेत्रमिति	55
16.	ज्यामिति	68
17.	त्रिकोणमिती	84
18.	सांख्यिकी	91
19.	डाटा इंटरप्रिटेशन	97

रीजनिंग VERBAL

1.	श्रृंखला	108
2.	सादृश्यता	111
3.	वर्गीकरण	115
4.	कूट – भाषा परीक्षण	119
5.	अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण	123
6.	दिशा और दूरी	127
7.	क्रम और रैकिंग	133
8.	घड़ी	136
9.	गणितीय संक्रियाएँ	142
10.	आव्यूह	144
11.	बैठक व्यवस्था	148
12.	वेन आरेख	153
13.	न्याय निगमन	158
14.	शब्दों का तार्किक क्रम	164
15.	कथन और निष्कर्ष	168

NON – VERBAL

16.	आकृति श्रृंखला	172
17.	आकृति सादृश्य	177
18.	आकृति वर्गीकरण	181
19.	दर्पण प्रतिबिम्ब	184
20.	आकृति निर्माण	188
21.	अपूर्ण आकृति को पूरा करना	191
22.	आकृति आव्यूह	196

23.	सन्निहित आकृतियाँ	201
24.	आकृतियों की गणना	205
25.	कागज मोडना एवं काटना	212

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे।

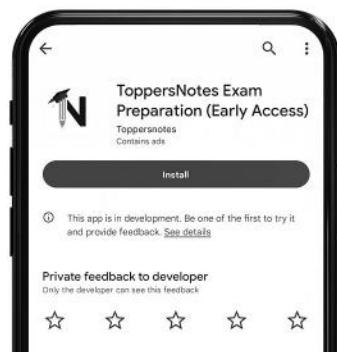
ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-



ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लैंस से QR स्कैन करें।



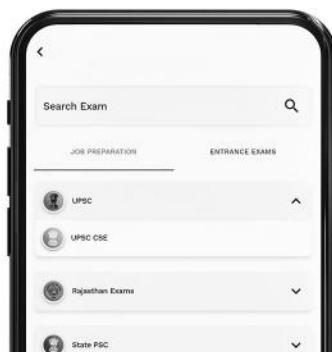
**टॉपर्सनोट्स
एजाम प्रिपरेशन ऐप**



टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें
गूगल प्ले स्टोर से।



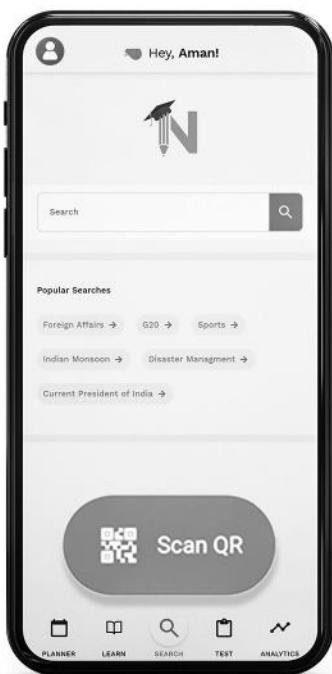
लॉग इन करने के लिए अपना
मोबाइल नंबर दर्ज करें।



अपनी परीक्षा श्रेणी चुनें।



सर्च बटन पर क्लिक करें।



SCAN QR पर क्लिक करें।



किताब के QR कोड को स्कैन करें।

- • सोल्युशन वीडियो
- • डाउट वीडियो
- • कॉन्सेप्ट वीडियो
- • अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री
- • विषयवार अभ्यास
- • कमज़ोर टॉपिक विश्लेषण
- • रैंक प्रेडिक्टर
- • टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए
hello@toppersnotes.com पर मेल करें
या ☎ 766 56 41 122 पर whatsapp करें।

प्रतिशत (Percentage)



- प्रतिशत का अर्थ है 'प्रति सौकड़ा'।
- जिस भिन्न का हर 100 हो, उसे प्रतिशत कहते हैं और उस भिन्न का अंश प्रतिशत हर कहलाता है।
- $100 \text{ में से } 5 = \frac{5}{100} = 5\%$
- $100 \text{ में से } 10 = \frac{10}{100} = 10\%$
- अर्थात् जब किसी शशि की तुलना 100 से की जाती है, तो वह प्रतिशत कहलाती है। जिससे तुलना की जाती है, वह आधार होता है। भिन्न में आधार हर को कहेगे।

प्रतिशत से भिन्न में रूपांतरण

$$100\% = 1 \quad 10\% = \frac{1}{10} \quad 5\frac{5}{19}\% = \frac{1}{19}$$

$$50\% = \frac{1}{2} \quad 9\frac{1}{11}\% = \frac{1}{11} \quad 5\% = \frac{1}{20}$$

$$33\frac{1}{3}\% = \frac{1}{3} \quad 8\frac{1}{12}\% = \frac{1}{12} \quad 4\frac{1}{6}\% = \frac{1}{24}$$

$$25\% = \frac{1}{4} \quad 7\frac{9}{13}\% = \frac{1}{13} \quad 4\% = \frac{1}{25}$$

$$20\% = \frac{1}{5} \quad 7\frac{1}{14}\% = \frac{1}{14} \quad 2\frac{1}{2}\% = \frac{1}{40}$$

$$16\frac{2}{3}\% = \frac{1}{6} \quad 6\frac{2}{15}\% = \frac{1}{15} \quad 37\frac{1}{8}\% = \frac{3}{8}$$

$$14\frac{2}{7}\% = \frac{1}{7} \quad 6\frac{1}{16}\% = \frac{1}{16} \quad 62\frac{1}{8}\% = \frac{5}{8}$$

$$12\frac{1}{2}\% = \frac{1}{8} \quad 5\frac{15}{17}\% = \frac{1}{17} \quad 57\frac{1}{7}\% = \frac{4}{7}$$

$$11\frac{1}{9}\% = \frac{1}{9} \quad 5\frac{5}{18}\% = \frac{1}{18} \quad 66\frac{2}{3}\% = \frac{2}{3}$$

$$80\% = \frac{4}{5} \quad 75\% = \frac{3}{4}$$

नोट -

- (i) किसी भिन्न या दशमलव भिन्न या पूर्णांक को प्रतिशत में बदलने के लिए उसे 100 से गुणा करते हैं।
- (ii) प्रतिशत को भिन्न में बदलने के लिए उसे 100 से भाग देते हैं।
- एक संख्या, दूसरी संख्या का कितना प्रतिशत है -

$$\text{शशि\%} = \frac{\text{दी गई संख्या}}{\text{मूल (दूसरी संख्या)}} \times 100$$



उदा.1 6, 48 का कितना प्रतिशत है ?

उदा.2 जब किसी संख्या के 60% में से 60 घटाया जाता है, तो परिणाम 60 प्राप्त होता है। संख्या है-

(a) 120	(b) 150
(c) 180	(d) 200

- किसी शशि में दी बार लगातार प्रतिशत परिवर्तन होता हो -

Case I - यदि $x_1\%$ व $x_2\%$ की वृद्धि हो, तो

$$\text{प्रतिशत वृद्धि} = x_1 + x_2 + \frac{x_1 \cdot x_2}{100}$$

Case II - यदि $x_1\%$ व $x_2\%$ की कमी हो, तो -

$$\text{प्रतिशत कमी} = x_1 + x_2 - \frac{x_1 \cdot x_2}{100}$$

Case III - यदि $x_1\%$ की वृद्धि तथा $x_2\%$ की कमी हो, तो

प्रतिशत परिवर्तन =

$$x_1 - x_2 - \frac{x_1 \cdot x_2}{100} \begin{cases} x_1 = \text{हमेशा प्रतिशत वृद्धि} \\ x_2 = \text{हमेशा प्रतिशत कमी} \end{cases}$$

[नोट - खर्च, बिकी से प्राप्त आय, शजरव, क्षेत्रफल इत्यादि में प्रतिशत परिवर्तन निकालना हो, तो Same Rule का प्रयोग करेंगे।]

उदा.1 किसी वस्तु की 10% तथा 10% की दो क्रमावार मूल्य वृद्धियाँ किस एकमात्र मूल्य-वृद्धि के अनुत्तुल्य हैं ?

- | | |
|---------|---------|
| (a) 19% | (b) 20% |
| (c) 21% | (d) 22% |

उदा.2 लैपटॉप की कीमत में 25% की वृद्धि हुई। अब दूसरी बार कीमत में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई कि कुल वृद्धि 35% हो गई?

- (a) 7.5
- (b) 9
- (c) 8
- (d) 10

जनसंख्या से संबंधित शूल



- यदि किसी शहर की जनसंख्या P हो एवं यह $x\%$ प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही हो, तो n वर्षों के बाद जनसंख्या

$$= P \left(1 + \frac{x}{100} \right)^n$$

- यदि कम हो रही हो, तो जनसंख्या

$$= P \left(1 - \frac{x}{100} \right)^n$$

- उदा.1 यदि किसी शहर की जनसंख्या 4% प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही हो तथा लोगों की वर्तमान संख्या 15625 हो, तो 3 वर्ष बाद जनसंख्या क्या होगी?

- उदा.2 किसी शहर की जनसंख्या 8000 है। यदि पुरुषों की संख्या 6 प्रतिशत की दर से बढ़े एवं महिलाओं की संख्या में वृद्धि की रफ्तार 10 प्रतिशत हो, तो जनसंख्या 8600 हो जाएगी। शहर में महिलाओं की संख्या ज्ञात करें।

- उदा.3 1988 में किसी शहर की जनसंख्या 12% कम हो गई। 1989 में इसमें 15% की वृद्धि हुई। 1990 के आस्थ में शहर की जनसंख्या पर कुल मिलाकर कितना प्रभाव पड़ा था?

- यदि किसी शहर का x प्रतिशत पहले व्यक्ति ने ले लिया हो, शेष का y प्रतिशत दूसरे व्यक्ति ने लिया हो तथा जो शेष बचे उनका z प्रतिशत तीसरे व्यक्ति द्वारा लेने के उपरान्त यदि A शहर बच जाएं, तो आस्थ में कुल शहर

$$= \frac{A \times 100 \times 100 \times 100}{(100 - x)(100 - y)(100 - z)}$$

- वस्तुओं के आव में वृद्धि या कमी हो जाने पर उनके उपभोग में कमी और वृद्धि

$$(a) \text{उपभोग में वृद्धि \% = } \frac{100 \times \text{कमी}}{100 - \text{कमी}}$$

$$(b) \text{उपभोग में कमी \% = } \frac{100 \times \text{वृद्धि}}{100 + \text{वृद्धि}}$$

चीनी के भाव - खपत में कमी



- उदा.1 चीनी के भाव में 40% वृद्धि होने पर किसी परिवार को चीनी की वार्षिक खपत कितने प्रतिशत कम करनी होगी जिससे परिवार का खर्च न बढ़े?

- (a) $24 \frac{4}{7}\%$
- (b) $28 \frac{4}{7}\%$
- (c) $29 \frac{4}{7}\%$
- (d) $30 \frac{4}{7}\%$

- उदा.2 चीनी के मूल्य में 10% कमी होने पर कोई गृहिणी ₹ 1116 में 6.2 किए। चीनी और खादी शक्ति है। चीनी का घटा हुआ मूल्य प्रति किए। कितना है?

- (a) ₹ 12
- (b) ₹ 14
- (c) ₹ 16
- (d) ₹ 18

किसी त्रिभुज - विकर्ण आदि



- यदि किसी त्रिभुज के प्रत्येक भुजा या शीर्षलम्ब, वर्ग के प्रत्येक भुजा या विकर्ण या परिमिति, वृत की त्रिज्या, व्यास या परिधि, घन या घनाश के प्रत्येक भुजा, किसी गोला या ऊर्ध्वगोला के त्रिज्या या व्यास इत्यादि में x प्रतिशत की वृद्धि या कमी कर दी जाए, तो उसके क्षेत्रफल में प्रतिशत कमी या वृद्धि

$$= 2x \pm \frac{x^2}{100} + \text{वृद्धि} - \text{कमी}$$

- उदा.1 जब त्रिज्या में 25% की वृद्धि की जाती है, तो वृत के क्षेत्रफल में प्रतिशत वृद्धि ज्ञात कीजिए?

- (a) 50%
- (b) 56.25%
- (c) 56%
- (d) 56.15%

उदाहरण



लाभ - हानि (Profit & Loss)



- क्रय मूल्य CP (Cost Price) – वस्तु का खरीद मूल्य।
- विक्रय मूल्य SP (Selling Price) – जितने लप्ये में वस्तु बेची जाती है।
- अंकित मूल्य (MRP) - एक वस्तु के MRP को अंकित मूल्य या छपा मूल्य या क्षुयी मूल्य कहते हैं।
- छूट (Discount) शैक्षिक अंकित मूल्य (MRP) पर दिया जाता है।
- छूट (Discount) की दशा में MRP लंबेव 100% होता है। ($SP = MRP$)
- यदि $S.P. > C.P.$ हो तो लाभ होगा।

लाभ = विक्रय मूल्य – क्रय मूल्य (Profit = SP – CP)

- यदि $S.P. < C.P.$ हो तो हानि होगी।

हानि = क्रय मूल्य – विक्रय मूल्य (Loss = SP – CP)

$$\text{लाभ \%} = \frac{\text{लाभ}}{\text{क्रय मूल्य}} \times 100$$

- लाभ व हानि हमेशा क्रय मूल्य पर निकाली जाती है।

$$\text{हानि \%} = \frac{\text{हानि}}{\text{क्रय मूल्य}} \times 100$$

$$\text{विक्रय मूल्य (SP)} = \frac{100 + \text{लाभ \%}}{100} \times \text{क्रय मूल्य (CP)}$$

$$\text{विक्रय मूल्य (SP)} = \frac{100 - \text{हानि \%}}{100} \times \text{क्रय मूल्य (CP)}$$

$$\text{क्रय मूल्य (CP)} = \frac{100}{100 + \text{लाभ \%}} \times \text{विक्रय मूल्य (SP)}$$

$$\text{क्रय मूल्य (CP)} = \frac{100}{100 - \text{हानि \%}} \times \text{विक्रय मूल्य (SP)}$$

- यदि किसी वस्तु की संख्या के रूप में क्रय मूल्य या विक्रय मूल्य दिया हो तो

x वस्तु का क्रय मूल्य y वस्तु के विक्रय मूल्य के बराबर है।

विक्रय मूल्य = x , क्रय मूल्य = y

$$\frac{\text{विक्रय मूल्य}}{\text{क्रय मूल्य}} = \frac{x}{y}$$

लाभ या हानि प्रतिशत =

$$\frac{(x - y) \times 100}{y} + = \% \text{ लाभ}$$

$$- = \% \text{ हानि}$$

- यदि वस्तु खरीदने का Rate दिया हो तो बेचने का Rate निकालना

n लप्ये में a की दर से वस्तु खरीदी जाती है, तो एक वस्तु का क्रय मूल्य = n/a

$$\text{विक्रय मूल्य} = \frac{n}{a} \left(\frac{100 \pm r}{100} \right)$$

$$\frac{\text{लाभ} - \text{हानि}}{\text{हर} - \text{वस्तु}}$$

- यदि बेचना वाला मूल्य दिया हो तो खरीदने वाला मूल्य निकालना

$$CP = \frac{n}{a} \times \left(\frac{100}{100 \pm r} \right)$$

जब लाभ और हानि दोनों समान हो तो क्रय मूल्य

$$\frac{\text{विक्रय मूल्य का योग}}{2}$$

- प्रश्न 1. एक विक्रेता किसी वस्तु को 1040 लप्ये में बेचकर जितना लाभ प्राप्त करता है उतनी ही हानि होती है जब उसे 928 लप्ये में बेचा जाता है तो बताइए वस्तु का क्रय मूल्य कितना लप्ये है।

हल हम जानते हैं कि

$$\text{विक्रय मूल्य} = \text{क्रय मूल्य} + \text{लाभ}$$

$$\text{क्रय मूल्य} = \text{विक्रय मूल्य} + \text{हानि}$$

प्रश्नानुसार,

$$1040 - \text{लाभ} = 928 + \text{लाभ}$$

$$\therefore \text{हानि} = \text{लाभ} (\text{दिया है})$$

$$2(\text{लाभ}) = 1040 - 928$$

$$2(\text{लाभ}) = 112$$

$$\text{लाभ} = 56$$

$$\text{वस्तु का क्रय मूल्य} = 928 + 56 \\ = 984$$

- यदि विक्रय मूल्य प्रतिशत लाभ या हानि दिया हुआ हो ।

विक्रय मूल्य पर $x\%$ लाभ होता है ।

$$\text{विक्रय मूल्य} = 100, \text{ लाभ} = x, \text{ CP} = 100 - x$$

$$\text{वार्तविक प्रतिशत लाभ} = \frac{x \times 100}{100 - x}$$

विक्रय मूल्य पर $x\%$ हानि होती हो तो हानि

$$\text{प्रतिशत} = \frac{x \times 100}{100 + x}$$

- प्रश्न 2. एक विक्रेता दो लम्बान मूल्य वाले घड़ियों को 20% लाभ पर बेचने का दावा करता है लेकिन एक के विक्रय मूल्य पर लाभ लेता है यदि दोनों घड़ियों के विक्रय मूल्य का अंतर 48 रुपये हो तो प्रत्येक घड़ी का क्रय मूल्य क्या है ?

हल प्रथम का % लाभ = $\frac{20 \times 100}{80} = 25\%$

$$\text{प्रश्नानुसार}, 25\% - 20\% = 48 \Rightarrow 5\% = 48$$

$$100\% = \frac{48}{5} \times 100 = 96 \text{ रुपये}$$

- यदि दो वस्तुओं को $x\%$ लाभ एवं $x\%$ हानि पर बेचा जाए और उनके विक्रय मूल्य लम्बान हो जाए तो हमेशा हानि होगी \Rightarrow हानि प्रतिशत = $\frac{x^2}{100}$

- जब एक बेईमान व्यापारी खोटे बाट का इरतेमाल करता हो – यदि कोई बेईमान दुकानदार अपनी वस्तुओं की क्रय मूल्य पर बेचता है परन्तु उही वजन की जगह कम वजन का प्रयोग करता है तो ३२का लाभ प्रतिशत = $\frac{\text{उही वजन} - \text{कम वजन}}{\text{कम वजन}} \times 100$

- भाव में गिरावट होने पर वस्तु की मात्रा में कमी वृद्धि वर्तमान मूल्य (Present Price): अपये $\times \%$ Change = कम/अधिक (वस्तु / मात्रा)

अभ्यास प्रश्न

क्रय मूल्य व विक्रय मूल्य से लाभ/हानि की गणना आधारित



प्रश्नों के हल



- उक्त 1. 150 रुपये से 300 रुपये के बीच के मूल्यों पर किताबें खरीदी जाती हैं और 250 रुपये से 350 रुपये के बीच के मूल्यों पर उन्हें बेचा जाता है, तो 15 किताबों की बेचने पर अधिकतम लाभ क्या होगा ?

(a) निर्धारित नहीं किया जा सकता है ।

(b) ₹ 750

(c) ₹ 4,250

(d) ₹ 3,000

उत्तर (d)

- उक्त 2. एक शाईकिल को 1960 रुपये में खरीद कर 1862 रुपये में बेचे जाने पर कितने प्रतिशत हानि होगी ?

लाभ / हानि प्रतिशत आधारित



प्रश्नों के हल



- उक्त 1. एक व्यक्ति कुछ वस्तुएँ P रुपये प्रति दर्जन के भाव से खरीदता हैं तथा $(P/8)$ रुपये प्रति वस्तु के भाव से बेच देता है, उसका लाभ प्रतिशत कितना है ?

(a) 30%

(b) 40%

(c) 50%

(d) 60%

उत्तर (c)

- उक्त 2. यदि एक वस्तु का विक्रय मूल्य क्रय मूल्य का $1\frac{1}{3}$ है, लाभ % ज्ञात कीजिये ।

(a) 25%

(b) $33\frac{1}{3}\%$

(c) 1.33%

(d) $66\frac{2}{3}\%$

उत्तर (b)

क्रय मूल्य व विक्रय मूल्य ज्ञात करना



प्रश्नों के हल



उदा.1 यदि एक वस्तु का विक्रय मूल्य 432 रुपये हैं और लाभ 35% हैं, तो वस्तु का क्रय मूल्य क्या होगा ?

- | | |
|------------------|----------------|
| (a) 480.40 रुपये | (b) 320 /रुपये |
| (c) 583.20 रुपये | (d) 368 रुपये |

उत्तर (b)

उदा.2 3 रुपये में 7 कंतरे की दर से कंतरे खरीदे गये 33% लाभ कमाने के लिये प्रति टैकड़ा 3 रुपये में बेचा जाएगा।

- | | |
|------------|------------|
| (a) Rs. 56 | (b) Rs. 60 |
| (c) Rs. 58 | (d) Rs. 57 |

उत्तर (d)

उदा.3 एक व्यक्ति ने 720 रुपये में 20 दर्जन छिंडे खरीदे। यदि वह 20% लाभ कमाना चाहते हैं तो प्रति छिंडे का विक्रय मूल्य ज्ञात करें।

- | | |
|----------------|----------------|
| (a) 3.25 रुपये | (b) 3.30 रुपये |
| (c) 3.50 रुपये | (d) 3.60 रुपये |

कोई वस्तु जब कई बार खरीदी/बेची जाये



प्रश्नों के हल



उदा.1 A ने एक वस्तु को 2000 रुपये में खरीदा और B को इसे 20% के लाभ पर बेच दिया। B ने फिर से इसे C को 10% लाभ पर बेच दिया तो C द्वारा शुगतान की गयी राशि ज्ञात कीजिये।

- | | |
|----------------|----------------|
| (a) 2540 रुपये | (b) 2400 रुपये |
| (c) 2580 रुपये | (d) 2640 रुपये |

उत्तर (d)

उदा.2 A ने B को 4860 रुपये में 19% हानि पर एक टेप रिकॉर्डर बेची। B ने C को टेप रिकॉर्डर 35 किमत पर बेची, जिससे A को 17% लाभ हो, तो B का प्रतिशत लाभ ज्ञात करें।

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (a) $22\frac{2}{9}\%$ | (b) $33\frac{1}{3}\%$ |
| (c) $44\frac{4}{9}\%$ | (d) $66\frac{2}{3}\%$ |

उत्तर (c)

कोई वस्तु कम या अधिक में खरीदने/बेचने पर लाभ/हानि में परिवर्तन ज्ञातार्थित



प्रश्नों के हल



उदा.1 कोई मरीन 10% मुनाफा लेकर 5060 रुपये में बेची जाती है। यदि इसे 4370 रुपये में बेचा गया होता तो कितने प्रतिशत का लाभ या हानि होती है ?

उदा.2 एक वस्तु को 10% हानि पर बेचा जाता है। यदि उसे 9 रुपये अधिक में बेचा जाता तो $12\frac{1}{2}\%$ का लाभ होता, तो वस्तु का लागत मूल्य ज्ञात करें।

- | | |
|--------------|--------------|
| (a) 40 रुपये | (b) 45 रुपये |
| (c) 50 रुपये | (d) 35 रुपये |

उदा.3 व्यापारी ने एक शामाज खरीदा और उसे 5% हानि पर बेच दिया। यदि वह शामाज को 10% कम मूल्य पर, खरीदता और 33 रुपये अधिक मूल्य पर बेचता तो उसे 30% लाभ होता, तो वस्तु का लागत मूल्य ज्ञात करें।

- | | |
|---------------|---------------|
| (a) 330 रुपये | (b) 155 रुपये |
| (c) 150 रुपये | (d) 300 रुपये |

दो वस्तुएँ शमाज मूल्य पर बेचने ज्ञातार्थित



प्रश्नों के हल



उदा.1 एक व्यक्ति ने 375 रुपये प्रति वस्तु की दर से दो वस्तुएँ बेची। एक वस्तु पर 25% लाभ हुआ तथा दूसरी वस्तु पर 35% हानि हुई, तो पूरे लोंदे में प्रतिशत लाभ या हानि ज्ञात करें।

- | | |
|----------------|---------------------------|
| (a) 6% हानि | (b) $4\frac{1}{6}\%$ लाभ |
| (c) Rs. 50 लाभ | (d) $6\frac{1}{4}\%$ हानि |

उत्तर (d)

उदा.2 एक व्यक्ति 99 रुपये प्रति वस्तु की दर से दो वस्तुएँ बेचता है। एक वस्तु पर 30% का लाभ हुआ तथा दूसरी वस्तु पर 30% हानि हुई, तो पूरे लोंदे में 35% का प्रतिशत लाभ या हानि ज्ञात करें।

- | | |
|--------------|----------------|
| (a) हानि, 1% | (b) हानि, 1.5% |
| (c) लाभ, 1% | (d) लाभ, 1.5% |

उत्तर (a)

- उदा.4 X ने दो वस्तुओं को 4000 रुपये प्रति वस्तु की दर से बेचा। इसलिए उसे न तो लाभ हुआ और न ही हानि हुई। यदि पहली वस्तु को 25% के लाभ पर बेचा गया तो दूसरी वस्तु को कितने प्रतिशत हानि पर बेचा गया?
- (a) 25% (b) $18\frac{2}{9}\%$
(c) $16\frac{2}{3}\%$ (d) 20%
- उत्तर (c)

कुछ वस्तुओं का क्रय मूल्य छन्दय कुछ वस्तुओं के विक्रय मूल्य/ लाभ/हानि के बराबर होने पर आधारित



उत्तर

- उदा.1 36 किताबों की लागत मूल्य 30 किताबों के विक्रय मूल्य के बराबर है, तो प्रतिशत लाभ ज्ञात करें।
- (a) 20% (b) $16\frac{4}{6}\%$
(c) 18% (d) $82\frac{2}{6}\%$

उत्तर (a)

- उदा.2 1 दर्जन बॉल पेन बेचने पर एक दुकानदार को 4 बॉल पेन के विक्रय मूल्य के बराबर लाभ होता है, तो उसका प्रतिशत लाभ ज्ञात करें।
- (a) 50 (b) 40
(c) $33\frac{1}{3}$ (d) $31\frac{1}{4}$
- उत्तर (a)

किसी एक दर में वस्तुएँ खरीद कर उसके व्युत्कम दर या छन्दय किसी दर में बेचने पर आधारित



- उदा.2 25 रुपये में 10 रुपये की दर से खरीदे गये और इन्हें 25 रुपये में 9 रुपये की दर से बेच दिया गया, तो कितना लाभ होगा?
- (a) $9\frac{1}{11}\%$ (b) 10%
(c) $11\frac{1}{9}\%$ (d) $12\frac{1}{2}\%$

उत्तर (c)

- उदा.3 एक व्यक्ति कुछ वस्तुओं को 5 वस्तु/रुपये की दर से खरीद तथा उसी ही वस्तु को 4 वस्तु/रुपये की दर से खरीदा। उसने दोनों वस्तुओं को मिला दिया और उन्हें 2 रुपये में 9 वस्तु की दर से बेच दिया। इस लाईड में उसे 3 रुपये की हानि हुई, तो उसने कुल कितनी वस्तुएँ खरीदी थीं?

- (a) 1090 (b) 1080
(c) 540 (d) 545

उत्तर (b)

अंकित मूल्य पर आधारित



- उदा.1 एक वस्तु का विक्रय मूल्य 4290 रुपये है। यदि 34% छूट दी जाती है, तो अंकित मूल्य (रुपये में) क्या है?
- (a) 6800 रुपये (b) 7200 रुपये
(c) 6300 रुपये (d) 6500 रुपये

उत्तर (d)

- उदा.2 यदि कोई व्यवसायी एक वस्तु को इसके क्रय मूल्य से 20% अधिक मूल्य पर अंकित करता है और 30% की छूट देता है, तो उसका लाभ या हानि प्रतिशत क्या है?

- (a) 10%, लाभ
(b) 16%, हानि
(c) 16%, लाभ
(d) 25%, लाभ

उत्तर (b)

- उदा.1 यदि मैंने 10 रुपये में 11 वस्तुएँ खरीदी तथा उन्हें 11 रुपये में 10 वस्तुएँ की दर से बेच दिया तो मैंना प्रतिशत लाभ ज्ञात करें।
- (a) 10% (b) 11%
(c) 21% (d) 100%
- उत्तर (c)

ଶ୍ରୀନୁପାତ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଲାଭ/ହାନି



प्रश्नों के हल



३८३

३८२

बेईमान दुकानदार/व्यापारी आधारित



प्रश्नों के हल



- उदाहरण 1 एक हलवाई द्वारा बेचने वाला क्रमानुसार पर ही बेचता है, परन्तु वह 1 किलो. के इथान पर 900 ग्राम तौलता है, तो उक्ता लाभ प्रतिशत ज्ञात कीजिए ?

- उद्दा.2 एक दुकानदार चावल को 56 रुपये प्रति किंवा की दर से बेचता है जिसे 32ने 48 रुपये प्रति किंवा में खरीदा था और वह 1000 ग्राम की जगह 950 ग्राम देता है, तो 32का लाभ प्रतिशत ज्ञात करें।

 - 18
 - 20
 - 22
 - 24

उत्तर (c)

ਕੁਛ ਵਖ਼ਤੁਏਂ ਖਰੀਦਨੇ ਪਰ ਸਮਾਨ ਕੁਛ ਔਰ ਵਖ਼ਤੁਏਂ
ਅਧਿਕ ਵਖ਼ਤ ਦੀ ਜਾਤੀ ਹੈ, ਪਰ ਆਧਾਰਿਤ



प्रश्नों के हल



३८२ (d)

- उदा.2 एक दुकानदार 5 वर्षतुँगों की खरीद पर 3 वर्षतुँग प्री देता है वह 20% बट्टा और देता है और फिर भी 25% लाभ कमाता है क्य मूल्य और अंकित मूल्य का छनौपात ज्ञात करें।

औसत (Average)



$$\text{औसत} = \frac{\text{परीक्षणों का योग}}{\text{परीक्षणों की संख्या}}$$

संख्या आधारित औसत (सूत्र)

1. प्रथम n प्राकृत संख्याओं का औसत = $\frac{(n+1)}{2}$
2. प्रथम n क्रमागत सम संख्याओं का औसत = $(n+1)$
3. प्रथम n क्रमागत विशम संख्याओं का औसत = n
4. प्रथम n प्राकृत संख्याओं के वर्गों का औसत = $\frac{(n+1)(2n+1)}{6}$
5. प्रथम n प्राकृत संख्याओं के घनों का औसत = $\frac{n(n+1)^2}{4}$
6. 1 से लेकर n तक की विशम संख्याओं का औसत = $\frac{(n+1)}{2}$, (जहाँ n = अन्तिम विषम संख्या)
7. 1 से लेकर n तक की सम संख्याओं का औसत = $\frac{(n+2)}{2}$, (n जहाँ = अन्तिम सम संख्या)
8. यदि समान दूरी तय करने में क्रमशः चाल a किमी./घंटा और b किमी./घंटा हो, तो औसत चाल = $\frac{2ab}{(a+b)}$ होगी।
9. यदि समान दूरी के लिए औसत चाल a किमी./घंटा, b किमी./घंटा तथा c किमी./घंटा हो, तो औसत चाल = $\frac{3abc}{(ab+bc+ca)}$ किमी./घंटा होगी।
10. P व्यक्तियों में से एक व्यक्ति, जिसका औसत भार x किग्रा. है, चला जाता है के स्थान पर एक नया व्यक्ति आ जाता है, जिससे व्यक्तियों का औसत भार y किग्रा. बढ़ जाता है, तो नये व्यक्ति का भार = $(x + P + y)$ किग्रा.
11. P व्यक्तियों की औसत आयु x वर्ष है। Q व्यक्तियों के और सम्मिलित हो जाने पर औसत आयु y वर्ष हो जाती है, तो नये व्यक्तियों की औसत आयु $x + (y-x) \times \frac{(P+Q)}{Q}$ वर्ष है।

12. P व्यक्तियों की औसत आयु x वर्ष है। Q व्यक्तियों के बाहर चले जाने से व्यक्तियों की औसत आयु y वर्ष हो जाती है, तो बाहर जाने वाले व्यक्तियों की औसत आयु

$$= x - \left[(y-x) \times \frac{(P-Q)}{Q} \right] \text{ वर्ष}$$

13. x बच्चों की औसत आयु y वर्ष है। यदि बच्चों की आयु में पिता की आयु जोड़ दी जाती है, तो उनकी औसत आयु z वर्ष हो जाती है। पिता की आयु = $z \times (x+1) - y \times z$ वर्ष

14. P छात्रों की औसत आयु x वर्ष है। एक छात्र के बाहर चले जाने पर छात्रों की औसत आयु y वर्ष हो जाती है, तो बाहर जाने वाले छात्र की औसत आयु = $P \times x - (P-1)y$ वर्ष

15. किसी संस्थान में कुल P कर्मचारियों व अधिकारियों के वेतन का औसत मान प्रतिमाह $\frac{x}{z}$ हो तथा अधिकारियों के वेतन का औसत मान प्रतिमाह $\frac{y}{z}$ तथा कर्मचारियों के वेतन का औसत मान प्रतिमाह $\frac{z}{z}$ है तो, संस्था में कुल कर्मचारियों की संख्या = $\frac{(x-y) \times P}{(z-y)}$

16. यदि प्रत्येक राशि को x गुना कर दिया जाए तो औसत भी x गुना हो जाता है।

17. गेंदबाज का औसत निकालना :-

$$\text{गेंदबाज का औसत} = \frac{\text{कुल रन}}{\text{विकेटों की संख्या}}$$

कुल रन = औसत \times विकेटों की संख्या

18. एक बल्लेबाज ने अपनी n^{th} पारी में 's' रन बनाए जिससे उसके औसत में 't' वृद्धि हो गई, तो 'n' पारियों के बाद औसत $[x - t(n-1)]$ होगा।

संख्या के मान में परिवर्तन	औसत में परिवर्तन
(1) प्रत्येक मान में 'x' की वृद्धि	(1) औसत में 'x' की वृद्धि
(2) प्रत्येक मान में 'x' की कमी	(2) औसत में 'x' की कमी
(3) प्रत्येक मान में 'x' से गुणा	(3) औसत में भी 'x' का गुणा
(4) प्रत्येक मान में 'x' से भाग	(4) औसत में भी 'x' का भाग

भारित औसत (Weighted Average)

यदि सदस्यों के दो या दो से अधिक समूह हैं जिनका व्यक्तिगत औसत ज्ञात है, तो सभी समूहों के सभी सदस्यों का संयुक्त औसत भारित औसत के रूप में जाना जाता है।

- यदि $n_1, n_2, n_3, \dots, n_k$ के सदस्य वाले k समूह हैं जिनका औसत क्रमशः $A_1, A_2, A_3, \dots, A_k$ हैं तो

$$\text{भारित औसत (A}_w\text{)} = \frac{n_1 A_1 + n_2 A_2 + n_3 A_3 + \dots + n_k A_k}{n_1 + n_2 + n_3 + \dots + n_k}$$

उदा.2 512 पृष्ठों वाली एक पुस्तक में छपाई की त्रुटियों की औसत संख्या 4 प्रति पृष्ठ है, यदि प्रथम 302 पृष्ठों में इन त्रुटियों की संख्या 998 हो, तो शेष पृष्ठों में त्रुटियों की औसत संख्या प्रति पृष्ठ कितनी है ?

- (a) 4
 - (b) 5
 - (c) 5.5
 - (d) 6.5

परीक्षा अंक आधारित



पश्चनों के हल



उदा.1 एक परीक्षा में छात्रों के एक समूह के प्राप्तांकों का समान्तर माध्य 52 था। उनमें सबसे अच्छे 20 प्रतिशत छात्रों को औसतन 80 अंक मिले और सबसे खराब 25 प्रतिशत छात्रों को औसतन 31 अंक, तब शेष 55 प्रतिशत छात्रों के प्राप्तांकों का औसत क्या था ?

उदा.2 एक समूह में विद्यार्थियों के औसत अंक 63 है। इनमें से 3 के प्राप्तांक 78, 69 तथा 48 है, शेष 6 विद्यार्थियों के औसत अंक कितने है ?

परीक्षा अंक आधारित



पश्चनों के हल

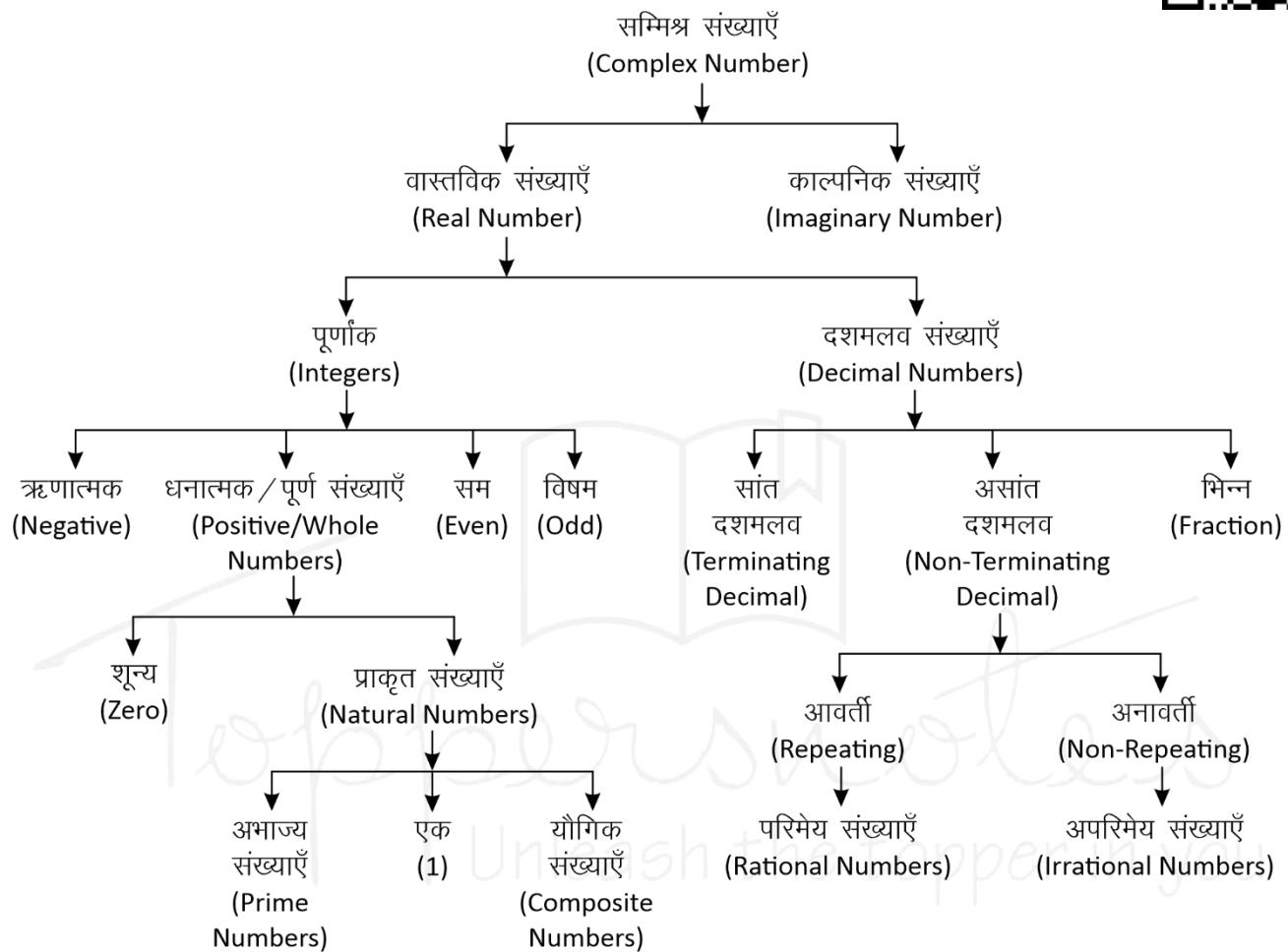


उदा.1 एक परीक्षा में छात्रों के एक समूह के प्राप्तांकों का समान्तर माध्य 52 था। उनमें सबसे अच्छे 20 प्रतिशत छात्रों को औसतन 80 अंक मिले और सबसे खराब 25 प्रतिशत छात्रों को औसतन 31 अंक, तब शेष 55 प्रतिशत छात्रों के प्राप्तांकों का औसत क्या था ?

संख्या पद्धति (Number System)

संख्या पद्धति :- किसी भी यौगिक राशि के परिणामों का बोध कराने के लिए जिस पद्धति का उपयोग होता है, संख्या पद्धति कहलाती है।

संख्याओं को उनके गुणों और विशेषताओं के आधार पर निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है -



सम्मिश्र संख्याएँ (Complex Number)

वे सभी संख्याएँ जो वास्तविक और काल्पनिक संख्याओं से मिलकर बनी होती हैं।

इन्हें $(a + ib)$ के रूप में लिखा जाता है। जहाँ a और b वास्तविक संख्याएँ हैं तथा $i = \sqrt{-1}$ है।

$$Z = a \text{ (वास्तविक संख्या)} + ib \text{ (काल्पनिक संख्या)}$$

- वास्तविक संख्याएँ (Real Numbers):** परिमेय एवं अपरिमेय संख्याओं को सम्मिलित रूप से वास्तविक संख्या कहते हैं। इन्हें संख्या रेखा पर प्रदर्शित किया जा सकता है।

- पूर्णांक संख्याएँ :** संख्याओं का ऐसा समुच्चय जिसमें पूर्ण संख्याओं के साथ-साथ ऋणात्मक संख्याएँ भी सम्मिलित हो, पूर्णांक संख्याएँ कहलाती हैं, इसे । से सूचित करते हैं।

$$I = \{-4, -3, -2, -1, 0, 1, 2, 3, 4, \dots\}$$

- धनात्मक / पूर्ण संख्याएँ :** जब प्राकृत संख्याओं के परिवार में 0 को भी शामिल कर लेते हैं, तब वह पूर्ण संख्याएँ कहलाती हैं।

$$W = \{0, 1, 2, 3, 4, 5, \dots\}$$

नोट : चार लगातार प्राकृतिक संख्याओं का गुणनफल हमेशा 24 से पूर्णतः विभाज्य होता है।

- प्राकृत संख्याएँ :** जिन संख्याओं का इस्तेमाल वस्तुओं को गिनने के लिए किया जाता है, प्राकृत संख्या कहते हैं।

$$N = \{1, 2, 3, 4, 5, \dots\}$$

$$\text{प्रथम } n \text{ प्राकृतिक संख्याओं का योग} = \frac{n(n+1)}{2}$$

$$\begin{aligned} \text{प्रथम } n \text{ प्राकृतिक संख्याओं के वर्गों का योग} \\ = \frac{n(n+1)(2n+1)}{6} \end{aligned}$$

प्रथम n प्राकृतिक संख्याओं के घनों का योग =

$$\left[\frac{n(n+1)}{2} \right]^2$$

दो लगातार प्राकृतिक संख्याओं के वर्गों का अंतर उनके योगफल के बराबर होता है।

उदाहरण –

$$11^2 = 121$$

$$12^2 = 144$$

$$11 + 12 \rightarrow 23 \quad \text{Difference } 144 - 121 = 23$$

(a) अभाज्य संख्याएँ (Prime Numbers) :- एक संख्या जिसके केवल दो ही गुणक होते हैं, 1 और वह संख्या स्वयं, उन्हें अभाज्य संख्या कहते हैं।

जैसे – {2, 3, 5, 7, 11, 13, 17, 19.....}

- तीन अंकों की सबसे छोटी अभाज्य संख्या = 101

- तीन अंकों की सबसे बड़ी अभाज्य संख्या = 997

जहाँ 1 Prime Number नहीं है।

2 एकमात्र सम Prime संख्या है।

3, 5, 7 क्रमागत विषम अभाज्य संख्या का इकलौता जोड़ा है।

1 से 25 तक कुल अभाज्य संख्या = 9

25 से 50 तक कुल अभाज्य संख्या = 6

1-50 तक कुल 15 Prime Number है।

51-100 तक कुल 10 Prime Number है।

अतः 1-100 तक कुल 25 Prime Number है।

1 से 200 तक कुल अभाज्य संख्या = 46

1 से 300 तक कुल अभाज्य संख्या = 62

1 से 400 तक कुल अभाज्य संख्या = 78

1 से 500 तक कुल अभाज्य संख्या = 95

☞ अभाज्य संख्याओं का परीक्षण :- दी गयी संख्या के संभावित वर्गमूल से बड़ी कोई संख्या लीजिए। माना यह संख्या x है, अब x से छोटी समस्त अभाज्य संख्याओं की सहायता से दी गयी संख्या की विभाज्यता का परीक्षण कीजिए।

- यदि यह इनमें से किसी से भी विभाज्य नहीं है तो यह निश्चित रूप से एक अभाज्य संख्या होगी।

उदाहरण –

क्या 349 एक अभाज्य संख्या है या नहीं ?

हल –

349 का संभावित वर्गमूल 19 होगा और 19 से छोटी सभी अभाज्य संख्याएँ : 2, 3, 5, 7, 11, 13, 17 हैं।

स्पष्ट है कि 349 इन सभी अभाज्य संख्याओं से विभाज्य नहीं है अतः 349 भी एक अभाज्य संख्या है।

सह अभाज्य संख्याएँ (Co-prime Numbers) – वह संख्याएँ जिनका HCF सिर्फ 1 हो।

उदाहरण – (4,9), (15, 22), (39, 40)

$$\text{HCF} = 1$$

(b) यौगिक संख्याएँ (Composite Numbers) :- वे प्राकृत संख्याएँ जो 1 या स्वयं को छोड़कर किसी अन्य संख्या से भी विभाज्य हो, यौगिक संख्याएँ कहलाती है। जैसे – 4, 6, 8, 9, 10 आदि।

(ii) सम संख्याएँ : संख्याएँ जो 2 से पूर्णतः विभाज्य हो सम संख्या कहलाती है।

$$n \text{ वां पद} = 2n$$

प्रथम n सम संख्याओं का योग = $n(n+1)$

प्रथम n सम संख्याओं के वर्गों का योग = $\frac{2n(n+1)(2n+1)}{3}$

$$\left\{ n = \frac{\text{अंतिम पद}}{2} \right\}$$

(iii) विषम संख्याएँ : वह संख्याएँ जो 2 से विभाजित न हो, विषम संख्याएँ होती है।

प्रथम n विषम संख्याओं का योग = n^2

$$\left\{ n = \frac{\text{अंतिम पद} + 1}{2} \right\}$$

II. दशमलव

दशमलव वे संख्याएँ हैं जो दो पूर्ण संख्याओं या पूर्णांकों के बीच आती हैं। जैसे – 3.5 एक दशमलव संख्या है जो 3 व 4 के बीच स्थित है।

- प्रत्येक दशमलव संख्या को भिन्न के रूप में लिखा जा सकता है और इसके विपरीत प्रत्येक भिन्न को भी दशमलव रूप में लिखा जा सकता है।

(i) सांत दशमलव

वह संख्याएँ जो दशमलव के बाद कुछ अंकों के बाद खत्म हो जाये जैसे – 0.25, 0.15, 0.375 इसे भिन्न संख्या में लिखा जा सकता है।

(ii) असांत दशमलव

जो संख्याएँ दशमलव के बाद कभी खत्म नहीं होती बल्कि पुनरावृत्ति करती हों, अनंत तक।

जैसे – 0.3333, 0.7777, 0.183183183.....

ये दो प्रकार के हो सकते हैं –

A. आवर्ती दशमलव भिन्न (Repeating)

वह दशमलव भिन्न दशमलव बिंदु के बाद एक या अधिक अंकों की पुनरावृत्ति होती है।

$$\text{जैसे } - \frac{1}{3} = 0.333..., \frac{22}{7} = 3.14285714....$$

- ऐसी भिन्नों को व्यक्त करने के लिए दोहराए जाने वाले अंक के ऊपर एक रेखा खींच देते हैं।